Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–115

M.A. (Final) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - IV (ii)

(मीरांबाई)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्ते **50** सबद अर 2 अंक राखीज्या है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्तै **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्तै **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. सगळां सवालां रा पडूत्तर देवो :

   (i) मीरांबाई रौ जलम कद अर कठै हुयौ ?

   (ii) मीरांबाई गिरधर रौ किस्यो सरूप आँख्यांमं बसाणो चांवती ?

(iii) मीरां री भगती किण भाव री ही अर किणरै प्रति ही ?

(iv) मीरां बाई नै मरु मन्दाकिनी क्यूं कहीजै ?

(v) मीरां बाई री **तीन** रचनावां रा नांव बताओ ?

(vi) मीरां बाई रौ पीवर-सासरो कठै अर किण रै हो ?

(vii) ''माई री म्है तो लियो गोविन्दो मोल'' इण ओळी म मीरां गोविन्द नै कुण सै मोल लियो हो ?

(viii) मीरां बाई री रचनावां रा मूळ भाव कांई है ?

(ix) मीरां बाई रै पति अर दु:खदायी देवर रौ नांव बताओ।

(x) ''चेरी भई म तेरे दावण की'' इण म 'चेरी' अर 'दावण' रौ अरथ बताओ।

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्यां सात सवालां मांस स्यूं **पाँच** सवाल हल करो :

सप्रसंग व्याख्या करौ–

2. बसो मेरे नैनन में नन्दलाल।

मोहनि मूरति साँवरि सूरति, नैना बने विसाल।

अधर सुधारस मुरली राजति, उर वैजन्ती माल।

क्षुद्र घण्टिका कटितट सोभित, नूपुर सबद रसाल।

मीराँ के प्रभु संतन सुखदाई, भगत बछल गोपाल।

3. तनक हरि चितवौ जी मोरी ओर।

हम चितवत तुम चितवत नाहीं, दिल के बड़े कठोर।

म्हारी आसा चितवनि तुम्हारी, और न दूजी दौर।

तुमसे हमकूं तो तुम ही हो, हम सी लाख करोर।

ऊभी ठाढ़ी अरज करत हूँ, अरज करत भयो भोर।

मीरां के प्रभु हरि अविनासी, दूँगी प्राण अँकोर।

4. मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।

जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।

छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई।

संतन ढिग बैठी बैठी, लोक लाज खोई।

अँसुवन जल सींचि सींचि, प्रेम बेलि बोई।

अब तो बेल फैल गई आंणद फल होई।

दूध की मथनिया, बड़े प्रेम से बिलोई।

दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोई।

भगति देखि राजी हुई जगत देखी रोई।

दासि मीराँ लाल गिरधर, तारो अब मोहि।

5. राणाजी! थे क्यांनै राखो म्हाँ सू बैर।

थे तो राणाजी म्हांने इसड़ा लागो, ज्यूँ बिरछन में कैर।

महल अटारी हम सब त्याग्या, त्याग्यो थाँरो सहर।

काजल टीकी हम सब त्याग्या, भगवीं चादर पहर।

थौरै रूस्यां राणा! कुछ नहीं बिगड़ै, अब हरि कीन्ही महर।

मीरां के प्रभु गिरधर नागर, इमरत कर दियो जहर।

6. म्हारे घर आज्यो प्रीतम प्यारा, तुम बिन सब जग खारा।

तन मन धन सब भेंट करूँ, औ भजन करूँ मैं थारा।

तुम गुणवन्त बड़े गुणसागर, मैं हूँ जी औगणहारा।

मैं निगुणी, गुण एकौ नाहीं, तुम हो बगसण हारा।

मीराँ कहै प्रभु कबहिं मिलोगे, थाँ बिण नैण दुखियारा।

7. मीरां बाई के कृष्ण प्रेम पर प्रकाश डालो।

8. मीरां बाई रै बखत री राजनैतिक परिस्थितियाँ रौ बरणाव करौ।

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्योड़ां चार सवालां मांय सूं कोई **दो** सवालां रा पड़ूत्तर देवो :

9. मीरां बाई री भगतिभावना रौ वरणन औपते दाखळा साथै करौ।

10. मीरां रै व्यक्तित्व अर कृतित्व माथै निबन्ध लिखो।

11. मीरां बाई रै पदां रौ गीतिकाव्य री दीठ स्यूं बिरोळ करो।

12. ''मीरां बाई रै पदां म विरह अर पीड़ा रौ घणो गैरौ चित्रण हुयौ है।'' इण ओळी री औपते दाखळां सेटी विरोळ करौ।